

2. किसी स्फीत (अधिक विस्फारित) वस्तु के संकुचित हो जाने की स्थिति।

**अवस्यंदन** पुं. (तत्.) चूना, रिसना, टपकना।

**अवह** वि. (तत्.) जिसे वहन न किया जा सके, जिसे ढोया न जा सके पुं. 1. वह स्थल जिसमें नदी-नाले नहीं बहते हों 2. वह वायु जो आकाश के तृतीय स्कंध में हो, बिना नदी वाला।

**अवहट्ठ** स्त्री. (तत्.) हिंदी का प्रारंभिक रूप, प्राचीन अपभ्रंश (अपभ्रष्ट)।

**अवहरण** पुं. (तत्.) 1. चुरा लेना 2. जबरदस्ती ले लेना 3. अन्यत्र ले जाना 4. युद्ध क्षेत्र से कुछ दूर पीछे शिविर लगाना।

**अवहस्त** पुं. (तत्.) हाथ या हथेली का पृष्ठ, उल्टा हाथ।

**अवहार** पुं. (तत्.) राज. 1. अंतरिम युद्ध विराम, आवधिक शांति truce, armistice तु. संधि 2. सुपुर्दगी, वापस लेना।

**अवहार्य** वि. (तत्.) 1. हटाने के योग्य, वापस लिए जाने के योग्य 2. दंड-योग्य।

**अवहास** पुं. (तत्.) 1. मुस्कुराहट, मुस्कान 2. उपहास, हँसी-मजाक।

**अवहास्य** पुं. (तत्.) बेटुका हास्य, बेढंगा हास्य, विद्रूप हास्य।

**अवहित** वि. (तत्.) 1. अवधानपूर्वक, सावधान 2. एकाग्रचित्त।

**अवहित्था** पुं. (तत्.) 1. पाखंड 2. मन के भावों का गोपन।

**अवहत** वि. (तत्.) 1. नीचे, आगे या पीछे हटाया गया हुआ 2. चुराया हुआ, हरण किया हुआ।

**अवहेलना** स्त्री. (तत्.) 1. तिरस्कार 2. ध्यान न देना, लापरवाही, उपेक्षा स.क्रि. (तद्.) 1. उपेक्षा करना 2. अवज्ञा करना 3. तिरस्कार करना।

**अवहेला** स्त्री. (तत्.) दे. अवहेलना ।

**अवहेलित** वि. (तत्.) जिसकी अवहेलना हुई हो, जिसकी उपेक्षा की गई हो, उपेक्षित, अपमानित, तिरस्कृत।

**अवांछनीय तत्त्व** पुं. (तत्.) अवसर-विशेष अथवा स्थान-विशेष में अवांछित व्यक्ति, गड़बड़ी फैलाने वाला व्यक्ति, दुष्ट प्रकृति का व्यक्ति।

**अवांछित** वि. (तत्.) अनिच्छित, जिसकी इच्छा न की गई हो, अनचाहा।

**अवांतर** वि. (तत्.) 1. अंतर्गत, मध्यवर्ती 2. दूसरा, गौण पुं. मध्य, भीतर, बीच।

**अवांतर दिशा** स्त्री. (तत्.) दो दिशाओं के बीच की दिशा या कोण, विदिशा।

**अवांतर देश** पुं. (तत्.) दो देशों के बीच का देश।

**अवांतर भूमि** स्त्री. (तत्.) वह भूमि जिसका स्वामी कोई न हो, अस्वामिक भूमि।

**अवांतर भेद** पुं. (तत्.) भेद के अंदर उपभेद।

**अवांतर वाक्य** पुं. (तत्.) दर्श. 1. मध्यवर्ती या गौण वाक्य 2. वेदांत में अद्वैतपरक महावाक्य की दीक्षा से पूर्व कहे जाने वाले परमात्मा और जीव के स्वरूप का बोधक वाक्य।

**अवांतर स्तर** पुं. (तत्.) भूवि. मोटे निक्षेपों के बीच की पतली सी परत।

**अवाँ** पुं. (देश.) दे. आवाँ/आवा ।

**अवाँगार्द** वि. (फ्रे.) नया, अप्रचलित, प्रयोगात्मक पुं. नवकल्पना। Avant-garde

**अवाँसी** स्त्री. (तद्.) फसल काटने के प्रारंभ में पहली बार काटकर लाया गया बोझ या गट्ठर, जिसका प्रयोग 'नवान्न समारोह' के लिए किया जाता है।

**अवाई** स्त्री. (तद्.) आगमन, आना।

**अवाक व्यंजन** पुं. (तत्.) भाषा. गौण तंत्री के अनुनाद के बिना उच्चरित वाक्ध्वनि।

**अवाक्** वि. (तत्.) 1. (अवाच) गूंगा, जिसके मुँह से बोल न निकले, मौन, चुपचाप 2. चकित, विस्मित, स्तंभित, स्तब्ध 3. नीचे की ओर, दक्षिण की ओर।